 Roll No. ……..

MASL–101

वेद एवं निरुक्त

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16 / 17)

प्रथम वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

   (क) न मृत्युरासीदमृतं न तर्हि न रात्र्या अह्न आसीत्प्रकेतः।
   आनीदवातं स्वधया तदेकं तस्माद्धान्यन्नपरः किं च नास॥

   (ख) मा भ्राता भ्रातरं द्विक्षन्मा स्वसारमुत स्वसा।
   सम्यञ्च सव्रतो भूत्वा वाचं वदत भद्रया॥

(ग) उषः प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतुः।
समान्मर्थ चरणीयमाना चक्रर्मिक नण्यस्या ववृत्स्व॥

(घ) प्रधान्वस्य महतो महानि सत्यस्य करणानि वोचम्।
त्रिकटु केस्वपिबत् सुतस्यास्य मदे अहिमिन्द्रो जघान॥

2. नासदीय सूक्त के महत्त्व एवं प्रतिपाद्य पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।
3. भारतीय दर्शन के विकास में उपनिषदों की भूमिका को रेखांकित कीजिए।
4. वेदाङ्गों में शिक्षा के महत्त्व पर एक निबंध लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निरुक्त का लक्षण देते हुए इसके महत्त्व पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. इन्द्रसूक्त के आधार पर इन्द्र की विशेषताओं का प्रतिपादन कीजिए।
3. प्रमुख उपनिषदों का सामान्य परिचय लिखिए।
4. पाणिनीय शिक्षा के अनुसार स्वरों की उच्चारण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।
5. उषस् सूक्त की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।
6. 'छन्दः पादौ तु वेदस्य' इस उक्ति की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

7. निरुक्त के अनुसार शब्दों के विभाजन पर एक टिप्पणी लिखिए।
8. कठोपनिषद् की विषय-वस्तु का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. उषस् सूक्त के ऋषि कौन हैं ?
   (अ) कपिल
   (ब) वशिष्ठ
   (स) विश्वामित्र
   (द) भर्तृहरि
2. इन्द्रसूक्त के अनुसार असुरों ने किस ऋषि को अपहृत किया ?
   (अ) विश्वामित्र
   (ब) उभीति
   (स) दभीति
   (द) इनमें से कोई नहीं
3. यास्काचार्य के मत में शब्द है—
   (अ) नित्य
   (ब) अनित्य
   (स) नित्यानित्य दोनों
   (द) नित्यानित्य दोनों ही नहीं

4. जिसमें धातु और प्रत्यय का विभाग स्पष्ट रूप से प्रतीत होता हो उसे क्या कहते हैं ?

(अ) प्रत्यक्षवृत्ति

(ब) परोक्षवृत्ति

(स) अतिपरोक्षवृत्ति

(द) योगिक शब्द

5. उपनिषदों का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ?

(अ) भूतविद्या

(ब) ब्रह्मविद्या

(स) व्याकरण

(द) छन्द

6. कठोपनिषद् किस वेद का अंश है ?

(अ) कृष्ण यजुर्वेद

(ब) शुक्ल यजुर्वेद

(स) सामवेद

(द) ऋग्वेद

7. लोकमान्य तिलक ने वेदों का रचनाकाल क्या माना है ?

(अ) 6000 ई. पू. से 4000 ई. पू.

(ब) 1200 ई. पू. से 400 ई. पू.

(स) 1000 ई. से 500 ई. तक

(द) 3500 ई. पू. से 2000 ई. पू.

8. 'कल्प' को वेदरूपी पुरुष का कौन-सा अंग बताया गया है ?

(अ) पैर

(ब) हाथ

(स) मुख

(द) हृदय

9. प्रमुख वैदिक छन्द कितने हैं ?

(अ) सात

(ब) चौदह

(स) बाईस

(द) बत्तीस

10. 'कायाग्नि' किसको प्रेरित करती है ?

(अ) प्राणवायु क

(ब) आत्मा

(स) मन

(द) जिह्वा